बुलावो | By Nikhil Goel

कई दिन पाछे खुल्यो थारो दरबार
जी भर कर देखा थाणे म्हे तो बाबा श्याम

चलो रे भाया श्याम धणी के द्वार
जठे मिलेगो हारे को साथी बाबा श्याम

फेरु लागे लम्बी लम्बी कतार
तने भजन सुणावे सगळा मिलकर के बाबा श्याम

सांवरिया भी है मिलने को बेकरार
बैठ्यो बाट निहारे अपने टाबर का बाबा श्याम

निखिल संग सबकी अर्ज़ी करी स्वीकार
मिलने को बुलायो सगळा ने म्हारो बाबा श्याम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a5%81%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a5%8b-by/